

---

.. Shankara Arati ..

॥ शंकर आरती ॥

---

जय देव जय देव श्रीमंगेशा ।  
पंचारति ओवाळू सदया सर्वेशा ॥ धृ॥

सदया सगुणा शंभो अजिनांबरधारी ।  
गौरीरमणा आद्या मदनांतकारी ॥  
त्रिपुरारी अधहारी शिवमस्तकधारी ।  
विश्वंभर विरुदे हें नम संकट धारीं ॥ जय ॥ १॥

भयकृत भयनाशन ही नामें तुज देवा ।  
विबुधादिक कमळासन वांछिती तव सेवा ॥  
तुझे गुण वर्णाया वाटतसे हेवा ।  
अभिनव कृपाकटाक्षें मतिउत्सव द्यावा ॥ जय ॥ २॥

शिव शिव जपता शिव तू करिसी निजदासा ।  
संकट वारी मम तूं करी शत्रुविनाशा ॥  
कुळवृद्धीते पाववी हीच असे आशा ।  
अनंतसुत वांछितसे चरणांबुजलेशा ॥ जय ॥ ३॥

इति

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)  
Last updated January 22, 1999